डॉ. के. श्रीनिवासराव
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

स.अ. / 16 / 14

26 दिसंबर 2020

शोक संदेश

उर्दू के प्रसिद्ध आलोचक, लेखक और पूर्व प्रशासक डॉ. शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी का शुक्रवार, 25 दिसम्बर 2020 को निधन हो गया. इस दुखद समाचार से पूरा साहित्य जगत बेहद स्तब्ध और सदमे में है.

प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश में 30 अक्टूबर 1935 को जन्मे शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी उर्दू, फ़ारसी और अंग्रेज़ी के सिद्धहस्त विद्वान् लेखक थे. उन्होंने 19वीं सदी के उर्दू अदब और परंपरा को ठीक से समझने के लिए पहले आलोचना विधा में अपनी पैठ बनाई और फिर कहानीकार बने. उनको उर्दू आलोचना का शिखर पुरुष माना जाता है और उन्होंने साहित्यिक समीक्षा के नए मॉडल तैयार किए हैं।

उनकी रचनाओं में 'शेर ग़ैर शेर और नस्र', 'गंजे-सोख़्ता' (कविता संग्रह), 'सवार और दूसरे अफ़साने' और 'जदीदियत : कल और आज' शामिल हैं. उन्होंने उर्दू के सुप्रसिद्ध शायर मीर तक़ी 'मीर' के कलाम पर आलोचना लिखी जो 'शेर-शोर-अंगेज़' के नाम से तीन भागों में प्रकाशित हुई. उन्होंने 40 साल तक उर्दू की जानी-मानी साहित्यिक पत्रिका 'शबख़ून' (मासिक) का संपादन किया. उनका बेहद चर्चित उपन्यास 'कई चाँद थे सरे-आसमां' पहली बार 2005 में उर्दू में छप कर आया था. तकरीबन 750 पेज के इस उपन्यास में शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी ने कमाल की किस्सागोई की है. इस उपन्यास का उन्होंने स्वयं अंग्रेज़ी में 'द मिरर ऑफ़ ब्यूटी' शीर्षक से अनुवाद किया था. उन्हें समालोचना की पुस्तक 'तनक़ीदी अफ़कार' के लिए सन् 1986 में उर्दू भाषा के साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। डॉ. शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी को उर्दू की क़िस्सागोई परंपरा को पुनर्जीवित करने का श्रेय प्राप्त है.

उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया था. उन्हें वर्ष 1996 में 'सरस्वती सम्मान' दिया गया था. भारत के कई बड़े पुरस्कारों के अलावा उन्हें पाकिस्तान के तीसरे सबसे बड़े पुरस्कार 'सितारा-ए-इम्तियाज़' से भी नवाज़ा गया था.

पिछले लगभग 50 वर्षों से उर्दू साहित्य में केंद्रीय हैसियत रखने वाले डॉ. शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी के निधन से भारतीय साहित्य को बहुत बड़ी क्षति हुई है. साहित्य अकादेमी परिवार डॉ. शम्सुर्रहमान फ़ारूक़ी के प्रति अपनी विनम्र श्रद्धांजलि निवेदित करता है.

(के. श्रीनिवासराव)

रवीन्द्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-2338 7064, 2307 3002, फैक्स : +91-11-2338 2428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone : +91-11-2338 7064, 2307 3002, Fax : +91-11-2338 2428
E-Mail : secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website : http//www.sahitya-akademi.gov.in